Total No. of Printed Pages – 4

CCSME21

808502

PAPER / पत्र – II

SANTALI LANGUAGE AND LITERATURE

संताली भाषा और साहित्य

SUBJECT CODE / विषय कोड : 14

Full Marks : 150
पूर्णांक : 150

Time : 3 Hours
समय : 3 घंटे

निर्देश :

(1) जोजोम नाखा रे पूर्णांक एम आकाना ।

(2) कुकली साकाम बार हिंस रे हाटिञ आकाना भाग – **A** रे मुट पुनया़ कुकली (कुकली लेखा **1** खोन **4**) आर भाग – **B** रे मुट पुनया़ कुकली (कुकली लेखा **5** खोन **8**) मेनाक्–आ ।

(3) मुट तुरुय गोटाङ कुकली रेयाक् उत्तर एम में । कुकली लेखा **1** आर कुकली लेखा **5** आक् उत्तर एमोक् निहा़त लाग़ति काना ।

(4) निहा़त लाग़तीयानाक् कुकली लेखा **1** आर कुकली लेखा **5** रेदो मुट एयाय–एयाय कुकली मेनाक् आ । मुट एयाय–एयाय कुकलीको मुदखोन मोड़ें–मोड़ें कुकलीको रेयाक् उत्तर एमोक् दो निहा़त लाग़ती काना ।

(5) निहा़त लाग़तीयानाक् कुकली लेखा **1** आर कुकली लेखा **5** आक् छाड़ा काते जोतो खण्ड खोन कम से कम मित्टाङ आर मुट पुनया़ कुकली रेयाक उत्तर एममें ।

निर्देश :

(1) हाशिये में पूर्णांक दिए गए हैं ।

(2) प्रश्न–पत्र **दो** भागों में विभक्त हैं । भाग – **A** में कुल **चार** प्रश्न (प्रश्न सं. **01** से **04**) एवं भाग – **B** में कुल चार प्रश्न (प्रश्न सं. **05** से **08**) हैं ।

(3) कुल **छह** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रश्न संख्या **01** एवं प्रश्न संख्या **05** का उत्तर देना अनिवार्य हैं ।

(4) अनिवार्य प्रश्न संख्या **01** एवं प्रश्न संख्या **05** के अंतर्गत कुल **सात–सात** प्रश्न हैं । कुल **सात–सात** प्रश्नों में से **पाँच–पाँच** प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है ।

(5) अनिवार्य प्रश्न संख्या **01** एवं प्रश्न संख्या **05** के अतिरिक्त दोनों भाग में से कम से कम **एक** एवं कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

Marks
अंक

भाग – A

1. लातार रे एम आकान कुकलीको मुदखोन जाहाँगे मोड़ें गोटाङ (5) कुकली रेयाक तेला ओलमें । (5 × 7 = 35)

   (क) संताली पा़रसी रेनाक् ओनोरोम आर हाराबुरु बाबोद खाटोते ओनोल ओलमें ।

   (ख) संताली पा़रसी हाराबुरु रे आमेरिकान व्यापिृस्ट फोरेन मिशन सोसाईटी, जलेस्वर रेयाक् एनेम ओलमें ।

   (ग) "भेन्ताकाथा" ला़यते चेत् एम बुझा़व-आ ? नोवाँ रेयाक् ला़गती तिना़क् ओलमें ।

   (घ) संताली होड़ सेरेञ रेनाक् उनुरुम एममें ।

   (ङ) संताली बिनती साँवहेत् दो ओकाको मेताक् काना ? नोवाँ रेयाक् हाटिञको ओलमें ।

   (च) संताली रोनोड़ लेकाते उञुम (सर्वनाम) दो ओकाको मेताक् काना ? नोवाँ रेयाक् हाटिञको ओलमें ।

   (छ) संताली पा़रसी सालाक् मुण्डारी पा़रसी रेनाक् ओकालेकान सा़गा़ई मेनाक्आ ?

2. साधु रामचाँद मुरमुवाक् "संसार फेंन्द" गायान पुथी रेयाक् सारकाया ओलमें । 20

3. संताली पौरानिक् साँवहेत् लेकाते "भाँडान बिनती" रेयाक् का़हनी ओलमें । 20

4. का़हनी दो ओकाको मेताक् काना ? नोवाँ रेयाक् तेतेद्को इदिकाते ओलमें । 20

भाग – B

5. लातार रे एम आकान कुकलीको मुदखोन जाहाँगे मोड़े गोटाङ (5) कुकली रेयाक् तेला ओ़लमें । (5 × 7 = 35)

   (क) संताली साँवहेत् हारा राकाप् रे बाँगला साँवहेत् रेयाक् ताऱास् तिना़क् ञुर आकाना ? तोजबीज काते ओलमें ।

   (ख) संताली साँवहेत् हाराराकाप् रे यशोदा हाँसदा मुरमू-आक् एनेम ओलमें ।

   (ग) ठाकुर प्रसाद मुरमू-आक् साँवहेत् जियोन ओलमें ।

Marks
अंक

(घ) दुलाड़ रासा सिरजाऊरे नायनियल मुरमू-आक् उपन्यास "अजय गाडा छिपरे" रे ओकालेका सेतेञ आकाना ओलमें ?

(ङ) डमन हाँसदा-आक् साँवहेत् एनेम खाटोते ओलमें ।

(च) संताली साँवहेत् हारा बुरुरे प्रफेसार कृषणचन्द्र टुडू-आक् एनेम ओलमें ।

(छ) संताल साँवतारे "माँझी" आक् कामी हीरा को ओलमें ।

6. संताली ओनोड़हें साँवहेत् रेनाक् नागाम ओलमें । 20

7. गोराचाँद टुडू-आक् "चाँदमाला" पुथी इदिकाते मित्टाङ तुलाजोखा ओलमें । 20

8. संताली पारसीते तोरजोमाय (अनुवाद) में : 20

"भाषा की तरह संस्कृति का भी एक अर्थविज्ञान है । शब्दों की अर्थों की तरह सामाजिक संस्थाओं के अर्थ का भी रिक्तीकरण हुआ करता है । जबतक मियक (या अनुष्ठान) द्वारा व्यक्त सत्य सामूहिक धरातल पर अनुभूत होता रहता है, तबतक इसका अर्थ स्पष्ट रहता है । लेकिन सामाजिक-सांस्कृतिक स्थिति के परिवर्तन के साथ ही इसका अभिप्राय धुमिल होने लगता है और यह रचनात्मक प्रेरणा के बदले उपचार या रुढ़ी बन जाता है ।"